Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 6

No. of Printed Pages – 7

SS–26–Raj.Sah.

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियां सारू सामान्य निर्देश :

1) सबसूं पैली आपरै प्रश्न–पत्र माथै नामांक लिखों ।

2) **सगळा** सवाल करना जरूरी है ।

3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणौ है ।

4) अेक सूं अधिक भाग वाळा सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।

5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करिया ज्यादा अंक दिरीजैला ।

6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राख्तां ओपतो पड़ूत्तर देवौ ।

7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा मांय ईज देवणा है ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) नीचै लिख्या सवालां रा पड़ूत्तर सही विकल्प छांट'र उत्तर पुस्तिका मांय लिखौ । **[15]**

i) **राजा भोज किण नगरी रौ राजा हौ?** **[1]**

अ) द्वारका ब) धारा

स) अमरावती द) उज्जैण

ii) **'अचळदास खीची रौ वचनिका' रै रचयिता रा कांई नांव है?** **[1]**

अ) ईसरदास ब) पृथ्वीराज राठौड़

स) नरपति नाल्ह द) शिवदास गाडण

iii) **विष्णु स्वामी रा बेटा आपरी विद्या सूं किणनै जीवतौ करयौ?** **[1]**

अ) घोड़ै नै ब) हाथी नै

स) भिरगै नै द) सिंह नै

iv) **माटी रौ दीयौ आपरै काजळ सूं भीतं माथै कांई मांडै?** **[1]**

अ) चित्राम ब) बिड़दावली

स) मांडणा द) साखियौ

v) **रणमल्ल छंद किण काल री रचना है?** **[1]**

अ) रीतिकाल ब) भक्तिकाल

स) आदिकाल द) आधुनिक काल

vi) **जसनाथजी री जलमभोम रौ कांई नांव है?** **[1]**

अ) पूंगळ ब) लिखमी देसर

स) बम्बलू द) कतरियासर

vii) 'सपनौ आयौ' कविता किण कवि री रचना है? **[1]**

अ) शंकरदान सामौर ब) गिरधारी सिंह पड़िहार

स) हीरालाल शास्त्री द) अस्त अली खां

viii) सुमनेश जोशी कठै रा रैवासी हा? **[1]**

अ) उदयपुर ब) अजमेर

स) जोधपुर द) बीकानेर

ix) कवि रै मुजब लिछमी किणरौ हियौ रीझावै? **[1]**

अ) किसानां रौ ब) मजूंरा रौ

स) धनिका रौ द) राजावां रौ

x) 'काजळी तीज' किण रस री रचना है? **[1]**

अ) वीर–रस ब) हास्य–रस

स) सिणगार–रस द) भक्ति–रस

xi) मेड़ता परगनौ किण रियासत में हौ? **[1]**

अ) मेवाड़ ब) मारवाड़

स) ढूढ़ाड़ द) शेखावाटी

xii) 'अलेखूं हिटलर' कहाणी रा रचनाकार कुण है? **[1]**

अ) विजय दान देथा ब) बैजदान पंवार

स) नृसिंह राजपुरोहित द) अन्नाराम सुदामा

xiii) प्रबंध काव्य रा कितरा भेद करिजिया है – **[1]**

अ) दो ब) चार

स) तीन द) पांच

xiv) 'हरिरस' मूल रूप सूं किण भांत रौ काव्य है? **[1]**

अ) भक्ति काव्य ब) सिणगार काव्य

स) वीर काव्य द) नीति काव्य

xv) जयाचार्य किण पंथ रा आचार्य हा? **[1]**

अ) तेरा पंथ ब) दाड़ पंथ

स) गूदड़ पंथ द) लालदासी पंथ

प्र.2) खाली जाग्यां नै भरतां थकां पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका मांय लिखौ – **[7]**

i) 'गाय कठै बांधूं' कहाणी ..... शैली में लिखियोड़ी है। **[1]**

ii) 'धरती धोरा री' कविता रा रचनाकार ..... है। **[1]**

iii) 'ओळबौ' कविता में कवि ..... नै ओळबौ दियौ है। **[1]**

iv) ''हाला झाला रा कुण्डळिया'' ईसरदास जी ..... रस री रचना है। **[1]**

v) आज रो सरवण लघुकथा री लेखिका ..... है। **[1]**

vi) आधुनिक काल रा सगळा सूं पैलड़ा कवि ..... मानीजै। **[1]**

vii) कनक सुन्दर शिवचन्द भरतिया रचित ..... है। **[1]**

प्र.3) सवालां रा पड़ूत्तर अेक ओळी मांय लिखौ – **[10]**

i) बोवै पेड़ बबूल का, आम कहाँ ते होय।' ओळी रौ भाव लिखौ । **[1]**

ii) गाय रै टळयां पछै दूध री पाछी कांई व्यवस्था करी? **[1]**

iii) 'टूटी ओदणिये' कविता मांय टूटी अदावण किण–रौ प्रतीक है। **[1]**

iv) कुण्डलियों किण भांत रौ छंद है। **[1]**

v) 'माटी री मनस्या' लघुकथा री मूल संवेदना कांई है? **[1]**

vi) रेखाचितराम 'चामल रा घाट' रा रचनाकार कुण है। **[1]**

vii) अधिकांश विद्वान राजस्थानी भाषा री उत्पति किणं अपभ्रंश सूं मानै? **[1]**

viii) छंद रा कितरा भेद मानीजै? **[1]**

ix) राजस्थानी रौ मौलिक अलंकार कुणसो है? **[1]**

x) काव्य रा दो पख कुणसा मानीजै? **[1]**

खण्ड – ब

प्र.4) नीचे लिख्योड़ा सवालां रा पड़ूत्तर लगै–टगै 30 सबदां मांय लिखौ – **[24]**

i) हर्ष जीण री लोकगाथा सूं मिलण वाळी सीख नै आपरा सबदां मांय लिखौ । **[2]**

ii) 'ईमानदान व्यौहार सफळता रौ द्वार' सिद्ध करौ। **[2]**

iii) रणमल्ल छंद री काव्यगत विसेसतांवा नै आपरै सबदां मांय उदाहरण देय'र लिखौ। **[2]**

iv) माखणी रै विरह भाव नै उजागर करौ । **[2]**

v) 'आसोज रै महिनै नुंवापणौ अर उल्लास लावै।'' इण कथन नै समझावौ । **[2]**

vi) 'पर सुख देख दुःख नही मान्यो, पर धन खोस न खायो ।' इण ओळी रौ भाव लिखौ । **[2]**

vii) ''भाईड़ां, जमानौ बदळियौ पण बदळियौ ..... । इण ओळी रौ भाव उजागर करौ । **[2]**

viii) 'हूं बळिहारी सज्जणां, सज्जणां मों बळिहार' इण ओळी रौ भाव स्पष्ट करौ। **[2]**

ix) 'प्रीय बिण जीविजई किसइ अधारी' मूल भाव नै खुलासौ करौ । **[2]**

x) 'तमाखू री ताड़ना' में कवि किण भांत तमाखू रै विसन नै बुरौ बतायौ है। **[2]**

xi) छंद रा भेदां रौ खुलासौ करौ ! **[2]**

xii) निबंध रा मूल तत्वां नै स्पष्ट करौ । **[2]**

खण्ड – स

प्र.5) नीचे लिखी ओळयां रै भावां रौ खुलासौ सप्रसंग व्याख्या करौ – **[12]**

i) छेवट चौधरी रतना राम रौ बेटौ दुनीराम ई आपरी मां' रै केवण सूं कम उपजाऊ अर टीवै वाळी जमीन लेवण सांरु राजी होयग्यौ । जमीन कांई बंटी, मन भी बंटग्या । **[3]**

अथवा

जकी चुंतरी माथै आखै गांव री चौपाळ जुड़या करती, गांव रै विकास री बातां होया करती, अवै बठै पटका–पछाड़ी री योजना बणण लागगी ।

ii) राजस्थानी साहित्य रै वीरगाथा–काल री प्रमुख रचनावां अर खासियतां नै उजागर करौ । **[3]**

अथवा

आधुनिक राजस्थानी कहाणी री उत्पति अर विकसाव आपरा सबदां मांय करौ ।

iii) सुख–दुख में पाड़ौसी ई आडा आवै, सो वै उभा ही आयग्या । लोक में कैवत है कै जलम तो रात रौ अर मरण परभात रौ । **[3]**

अथवा

''म्हारी तौ यूं चिंता ई मत कर, थारा फूल चुग्यां बिना म्है कतैई कोनी जाऊं । म्हारी मानै तौ थूं लकड़ी रौ गाडौ आगूंच नखायलै भलांई ।

iv) आयो अंगरेज मुलक रै उपर, आहस लीघा खैंचि डरां ।

धणिया मरै ना दीधी धरती, धणिया ऊभां गई धरा ।। **[3]**

अथवा

छत्रपतियां लागी नंह छांणत, गढ़पतिया घर परी गुमी ।

बळ न कियौ बापड़ा बोतां, जोतां जोतां गई जमी ।।

खण्ड – द **[12]**

प्र.6) (अ) नीचै लिख्या विषयां मांय सूं किणी अेक विषय माथै राजस्थानी भासा मांय निबंध लिखौ – **[4]**

i) म्हारौ प्रिय साहित्यकार

ii) राजस्थानी काव्य मांय प्रेमाख्यान

iii) बालिका शिक्षा – बंधता पावंडा

iv) देस निरमाण मांय मोट्यारा री भूमिका

(ब) काव्य रौ अरथ बतावंता थकां काव्य रा भेदां नै स्पष्ट करौ । **[4]**

अथवा

उपमा अलंकार रौ अरथ बतावंता थंका इणां रै भेदां रौ खलासौ करौ ।

(स) आधुनिक साहित्य मांय हकीकत बयान करणै री प्रवृति किण भांत बध रैयी है? **[4]**

अथवा

''साहित्य रौ मकसद कांई'' होवै खुलासौ करौ।

DO NOT WRITE ANYTHING HERE